

विरूपरूप वि. (तत्.) जिसका रूप खराब हो, कुरूप, बदशक्ल।

विरूपाक्ष वि. (तत्.) जिसकी आँखें कुरूप हो, भद्दी आँख वाला पुं. 1. शिव, रुद्र का एक भेद 2. रावण का एक सेनापति 3. एक नाग 4. एक लोकपाल।

विरूपि वि. (तत्.) भद्दा, बेडौल, बदशक्त, बदसूरत पुं. गिरगिट स्त्री. विरूपिणी।

विरेचक वि. (तत्.) मल निष्कासित करने वाला, दस्त लगाने वाला।

विरेचन पुं. (तत्.) मल निष्कासन, दस्तावर, पेट साफ करने वाली दवा, जुलाब।

विरेची वि. (तत्.) दस्त लाने वाला, दस्तावर, पेट साफ करने वाला।

विरेच्य वि. (तत्.) ऐसा रोगी जिसे दस्तावर दवा की आवश्यकता हो।

विरोचन वि. (तत्.) प्रकाशित करने वाला पुं. सूर्य, अग्नि, अर्क, राजा बलि का पिता, विष्णु, रोहित वृक्ष।

विरोध पुं. (तत्.) 1. अनुकूल न होने का भाव या स्थिति, प्रतिकूलता 2. किसी कार्य को न होने देने या संपन्न कार्य को उलटने का प्रयत्न 3. कृषि. किसी जीव या यौगिक द्वारा दूसरे जीव या यौगिक के सामान्य प्रभाव को उलट देना 4. साहि. एक अर्थालंकार जिसमें अर्थबोध के समय पहले तो बाह्य स्तर पर विरोध प्रदर्शित या आभासित हो किंतु अर्थ प्रतीति के पश्चात आंतरिक स्तर पर उस विरोध का शमन हो जाए।

विरोधक वि. (तत्.) कलह उत्पन्न करने वाला, बाधक पुं. ऐसा विषय जिसका वर्णन न किया जा सके, अवर्णनीय विषय।

विरोधन वि. (तत्.) सामना करने वाला, रोकने वाला, विरोध करने वाला, झगड़ालू पुं. रुकावट, अवरोध, रोक, कलह, संघर्ष, प्रतिरोध।

विरोधना स.क्रि. (तद्.) वैर, विरोध करना।

विरोधमूलक वि. (तत्.) विरोध पर आधारित।

विरोधाभास पुं. (तत्.) 1. जब वास्तविक विरोध न होकर विरोध का आभास हो 2. एक अर्थालंकार जिसमें क्रिया, गुण, जाति, द्रव्य, धर्म आदि का इस प्रकार वर्णन किया जाता है कि उनकी कुछ बातों में पारस्परिक विरोध का कुछ आभास-सा मिलता है लेकिन वस्तुतः विरोध होता नहीं।

विरोधी वि. (तत्.) 1. मुकाबला करने वाला, प्रतिरोध करने वाला, अवरोध करने वाला 2. घेरा डालने वाला 3. परस्पर विरोधी, प्रतिद्वंद्वी।

विरोध्य वि. (तत्.) जिसकी खिलाफत करनी हो, जिसका विरोध करना हो।

विरोपण पुं. (तत्.) 1. पौधा रोपना, पौधा लगाना 2. घाव का भरना वि. 1. रोपने वाला 2. घाव भरने वाला।

विरोम वि. (तत्.) बिना रोएँ वाला, रोमरहित, बाल-रहित।

विरोम-मूषक पुं. (तत्.) प्राणि. जिन चूहों के शरीर पर रोम (बाल) नहीं होते, इन थाइमसहीन जंतुओं में लुसीकाओं की अत्यधिक कमी होती है।

विरोहण पुं. (तत्.) 1. अंकुरित होना, रोपना 2. एक नाग वि. (घाव को) भरने वाला।

वित्त स्त्री. (तत्.) दे. वृत्ति पुं. दे. वृत्त।

विलंघन पुं. (तत्.) 1. लाँघना, फाँद जाना 2. उपकार 3. अपकार 4. उल्लंघन 5. बीमारी की अवस्था में भोजनादि से परहेज।

विलंघनीय वि. (तत्.) पराभूत करने अथवा लाँघने के उपयुक्त।

विलंघित वि. (तत्.) 1. पराजित, पराभूत, अतिक्रान्त 2. लाँघा हुआ, उल्लंघित।

विलंघी वि. (तत्.) लाँघने वाला, उल्लंघन करने वाला, चढ़ने वाला।

विलंघ्य वि. (तत्.) जो पार करने के उपयुक्त हो, पार करने योग्य (नदी, नहर आदि), पराभूत करने योग्य, सहन करने योग्य।